वर्ष:- 05
अंक:- 316
मुरादाबाद
(Thursday)
12 March 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मछुआरों के बीच पीएम मोदी, NDA के फैसले गिनाए;कहा- सुरक्षा-कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

केरल में मछुआरों के बीच पहुंचे पीएम मोदी ने आज हृष्ठ के कार्यकाल में हुए फैसले गिनाए। उन्होंने कहा कि मछुआरा समुदाय के लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जानिए पीएम मोदी ने और किन बातों पर जोर दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केरल दौरे के दौरान 10,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। राज्य के तटीय शहर कोच्चि में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान इन परियोजनाओं की शुरुआत की गई।केरल में मछुआरा समुदाय के लोगों के बीच पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा केरल का नाम बदलकर केरलम किया जाना %मलयाली% भाइयों के लिए खुशी का क्षण है। केरल में 2018 की बाढ़ के दौरान मछुआरा समुदाय की भूमिका सराहनीय रही। धीवारा सभा 50 वर्षों से मछुआरों के अधिकारों के लिए काम कर रही है। केंद्र सरकार ने मत्स्य पालन समुदाय और उनकी गतिविधियों को मजबूत करने के लिए विभिन्न पहलें की हैं। प्रधानमंत्री ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की कोच्चि रिफाइनरी में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली पॉलीप्रोपाइलीन यूनिट की आधारशिला रखी। इसके अलावा उन्होंने दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें से प्रत्येक की लागत 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है। रेलवे क्षेत्र में भी 142 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया। साथ ही क्षेत्र में कनेक्टिविटी और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित तीन रेलवे स्टेशनों कुट्टी पुरम रेलवे स्टेशन और चंगनास्सेरी का भी उद्घाटन किया। लगभग 52 करोड़ रुपये की लागत से इन स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है, जिसमें यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं, सुव्यवस्थित परिसंचरण क्षेत्र और बेहतर पहुंच व्यवस्था शामिल है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का किया शंखनाद, संत - धर्माचार्य रहे मौजूद

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने लखनऊ से गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का शंखनाद किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में संत-धर्माचार्य और समर्थक मौजूद रहे।शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने लखनऊ में शंखनाद कर गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का शंखनाद कर दिया। आशियाना के कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक उपवन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संत-धर्माचार्य और समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर अलग-अलग जगहों से धर्माचार्य और गो रक्षक मंगलवार को ही लखनऊ में जुट गए। गो रक्षा आंदोलन को लेकर शंकराचार्य इन दिनों चर्चा में हैं और गाय को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।

इस आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने एक दिन पहले ही तैयारी शुरू कर दी और सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध कार्यक्रम में भाग लेने मंगलवार को लखनऊ पहुंचे राष्ट्रीय संत सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतगुरु आचार्य देव मुरारी बापू ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि इस कार्यक्रम को रुकवाने की बहुत कोशिशें की गईं जो निरर्थक साबित हुईं। प्रशासन ने कार्यक्रम के लिए कई शर्तों के साथ अनुमति दी है।

संक्षिप्त समाचार

आसाराम बापू ने किए रामलला के दर्शन, बोले- तीर्थों में जाने से कल्याण होता है

दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम बापू ने बुधवार को रामलला के दर्शन किए और कहा कि तीर्थ यात्रा करने से लोगों का कल्याण होता है।दुष्कर्म मामले में सजायफ्ता आसाराम बापू ने बुधवार को रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। वे मंगलवार की देर शाम अयोध्या पहुंचे और मां सरयू के तट पर पूजा-अर्चना की। मां सरयू की महाआरती में भी शामिल हुए। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारत में कई ऐसे तीर्थ स्थान हैं, जहां प्राण त्यागने या जाने मात्र से मनुष्य का कल्याण होता है।शास्त्रों में सात मोक्षदायी स्थान बताए गए हैं। इनमें अयोध्या, मथुरा, माया यानी हरिद्वार, काशी, कांची, अवंतिका और पुरी हैं। मानव शरीर में वात, कफ और पित्त तीन दोष होते हैं और तीर्थस्थलों पर जाने से इन दोषों का प्रभाव कम होता है।शास्त्रों में अयोध्या का पहला स्थान है। मथुरा में रहने वाला व्यक्ति चाहे साधु के वेश में रहा हो लेकिन साधु का दायित्व न निभाया हो, फिर भी वहां मृत्यु होने पर उसे नरक नहीं जाना पड़ता है। इससे पहले बुधवार की सुबह उन्होंने आद्य शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर में प्रवेश किया। रामलला के दर्शन-पूजन किए। करीब 30 मिनट तक वे राम मंदिर में रहे। मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव ने उन्हें मंदिर निर्माण के कार्यों की जानकारी दी।

शंकराचार्य के कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पहुंचकर चौंकाया, दंडवत प्रणाम कर लिया आशीर्वाद

ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद लखनऊ में हैं। जहां उन्होंने कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक उपवन में आयोजित कार्यक्रम में गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का शंखनाद किया।ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद लखनऊ में हैं। जहां उन्होंने कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक उपवन में आयोजित कार्यक्रम में गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का शंखनाद किया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पहुंचकर सभी को चौंका दिया। उन्होंने साष्टांग दंडवत होकर शंकराचार्य जी से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मंच पर सपा के पूर्व विधायक रविदास मेहरोत्रा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर अलग-अलग जगहों से धर्माचार्य और गो रक्षक मंगलवार को ही लखनऊ में जुट गए। गो रक्षा आंदोलन को लेकर शंकराचार्य इन दिनों चर्चा में हैं और गाय को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। इस आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने एक दिन पहले ही तैयारी शुरू कर दी और सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध कार्यक्रम में भाग लेने मंगलवार को लखनऊ पहुंचे राष्ट्रीय संत सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतगुरु आचार्य देव मुरारी बापू ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि इस कार्यक्रम को रुकवाने की बहुत कोशिशें की गईं जो निरर्थक साबित हुईं। प्रशासन ने कार्यक्रम के लिए कई शर्तों के साथ अनुमति दी है।अजय राय माघ मेले में शंकराचार्य और बटुकों के साथ यूपी पुलिस के व्यवहार को लेकर प्रदेश सरकार को घेरते रहे हैं। आलोचना की और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री से मिले नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव, लोहम कंपनी के सीईओ से भी मुलाकात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव व लोहम कंपनी के सीईओ रजत वर्मा और कंपनी के चीफ ऑफ स्टॉफ आयुष सबात ने मुलाकात की। इस दौरान एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख हब बनाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव ने बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान लोहम कंपनी के सीईओ रजत वर्मा और कंपनी के चीफ ऑफ स्टॉफ आयुष सबात भी मौजूद रहे। तीनों अतिथियों ने निवेश के लिए उत्तर प्रदेश के सकारात्मक माहौल की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव, लोहम के सीईओ रजत वर्मा और चीफ ऑफ स्टाफ आयुष सबात का उत्तर प्रदेश में स्वागत किया।बैठक में उत्तर प्रदेश को देश में एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख हब बनाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस क्रम में लोहम द्वारा प्रदेश में भारत की पहली `यर अर्थ टू मैग्नेट इंटीग्रेटेड फैसिलिटी स्थापित करने की योजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस फैसिलिटी के स्थापित होने से देश में उच्च तकनीक आधारित मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा।नोबेल पुरस्कार विजेता कोंस्टेंटिन नोवोसेलोव, जो ग्रैफीन की खोज के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं, लोहम कंपनी के साथ स्ट्रैटेजिक एडवाइजर और सहयोगी के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनका उद्देश्य उन्नत मटेरियल साइंस को औद्योगिक स्तर पर बैटरी तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में लागू करना है। लोहम और नोवोसेलोव के सहयोग का मुख्य फोकस दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर है। पहला, 2D मटेरियल (जैसे ग्रैफीन) का उपयोग कर अगली पीढ़ी की लिथियम-आयन बैटरियों की क्षमता, सुरक्षा व लाइफ को बढ़ाना।

दूसरा, बैटरियों और परमानेंट मैग्नेट का उन्नत रीसाइक्लिंग सिस्टम विकसित कर महत्वपूर्ण खनिजों की बेहतर रिकवरी सुनिश्चित करना, जिससे सर्कुलर इकॉनमी को मजबूती मिलेगी। यह सहयोग भारत के मेक इन इंडिया और ग्रीन एनर्जी विजन के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रूस से तेल खरीदने की अनुमति वाला अमेरिकी बयान भारत का अपमानः; कांग्रेस ने सरकार से पूछे तीखे सवाल

व्हाइट हाउस की ओर से भारत को रूसी तेल खरीदने की अनमति वाले बयान पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा। इस बयान को पार्टी ने देश का अपमान बताया है। कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसके साथ ही व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट के इस बयान के बाद उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया कि अमेरिका ने भारत को अस्थायी रूप से रूसी तेल खरीदने की अनुमति दी थी। लीविट ने यह भी कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि भारत एक अच्छा पक्षधर रहा है। उसने पहले प्रतिबंधित रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया था। कांग्रेस ने व्हाइट हाउस के प्रवक्ता द्वारा इस्तेमाल किए गए अनुमति प्राप्त और अच्छा अभिनेता शब्दों पर ध्यान केंद्रित किया। इसके साथ ही केंद्र को इस बात पर घेर लिया कि यह हमारी संप्रभुता और गरिमा का घोर अपमान है।सरकार अपमान पर आपत्ति क्यों नहीं जता रही- कांग्रेस ने एक पोस्ट में कहा व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट का कहना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को रूसी तेल स्वीकार करने की अनुमति दी है। भारतीयों को अच्छे अभिनेता बताया है। इसे फिर से पढ़ें, अनुमति दी, अच्छे अभिनेता। पार्टी ने आगे कहा, भारत सरकार हमारी संप्रभुता और गरिमा के इस घोर अपमान पर आपत्ति क्यों नहीं जता रही है? भारत के सम्मान की रक्षा करने के बजाय, प्रधानमंत्री मोदी जानबूझकर चुप रहना पसंद कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस मामले पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की चुप्पी का आरोप लगाते हुए उससे जवाब मांगा। उन्होंने कहा, इसलिए देश को यह पूछना चाहिए- वह किस बात से डर रहे हैं? भारत के फैसले बाहर से क्यों निर्देशित किए जा रहे हैं? नरेंद्र मोदी को अमेरिका ब्लैकमेल क्यों कर रहा है? भारत की जनता जवाब पाने की हकदार है। क्योंकि भारत की संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। भारत एक अच्छा पक्षकार रहा है- व्हाइट हाउस- व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने मंगलवार को एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के मद्देनजर संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को अस्थायी रूप से रूसी तेल खरीदने की अनुमति दी थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने पश्चिम एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर भारत को तेल प्रतिबंधों में छूट देने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति से बात की है, तो लेविट ने जवाब दिया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि भारत एक अच्छा पक्षकार रहा है, और हालांकि यह उपाय अल्पकालिक है, इससे रूस को कोई महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ नहीं मिलेगा।लीविट ने कहा मैंने इस बारे में राष्ट्रपति से बात की है और वित्त मंत्री और पूरी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम इस फैसले पर इसलिए पहुंची है क्योंकि भारत जैसे हमारे सहयोगी देशों ने अच्छा रवैया दिखाया है और पहले प्रतिबंधित रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया था। इसलिए, ईरानियों की वजह से दुनिया भर में तेल आपूर्ति में आई इस अस्थायी कमी को दूर करने के लिए, हमने उन्हें अस्थायी रूप से तेल स्वीकार करने की अनुमति दी है।

संपादकीय Editorial

India is the World Champion

Indeed, Team India is the world champion of cricket. Whether it's T20 cricket, women's ODI cricket, Under-19 cricket, both genders, the Blind Women's T20 World Cup, and finally, the Champions Trophy, Team India is the natural world champion of cricket. All these global titles belong to Team India. This team is undoubtedly charismatic and remarkable. Team India has won the T20 World Cup for the second consecutive time. They are the only team to do so. They are the only world champions on home soil. Team India is the only team to have won three T20 World Cups (2007, 2024, 2026). This team has defeated the teams that were world champions. Team India also recorded the highest score in a World Cup final so far, 255/5. Sanju Samson was named Player of the Tournament, scoring 321 runs. He scored three consecutive half-centuries. Player of the Match was Bumrah, who took a total of 14 wickets in the tournament. In the final, Bumrah dismissed four established New Zealand batsmen for just 15 runs, bringing the opposition to their knees. Bumrah, along with Varun Chakravarthy, was the "best bowler." Undoubtedly, Bumrah is God's "incredible gift" to Team India. Playing against him means you are a master batsman. However, by becoming the T20 World Champions for the second consecutive time, Team India has crossed and established many milestones. In the T20 World Cup, Team India's batsmen played as if they were playing a video game! The batsmen hit a total of 106 sixes in the tournament, making Team India the only team to achieve this feat. Unparalleled play, incomparable skill, and magnificent sixes... This is truly a remarkable, unforgettable, incomparable, and priceless victory, a result of the strategic strategy of all the coaches, including head coach Gautam Gambhir, and the precise and meaningful decisions of the "calm" captain Suryakumar Yadav. The country is celebrating, dancing, eating sweets, and feeling proud of the team's skill and spirit. Countless personalities, including President Draupadi Murmu and Prime Minister Modi, have offered their congratulations. Becoming world champions is also significant because this is a young Indian team of a new generation. It lacked prominent players like Virat Kohli, Rohit Sharma, Ravindra Jadeja, Shreyas Iyer, and Shubman Gill. Players like Sanju Samson, Ishan Kishan, Tilak Verma, Shivam Dubey, and Rinku Singh remained in the pavilion for several matches. They were not selected in the final eleven. They were "replacement players." Sanju had to sit out four matches. When he finally got his chance in the World Cup, he made a killing with the ball. They played innings laden with fours and sixes. Abhishek was dismissed for zero three times in the tournament, but in the final, he smashed a half-century off 18 balls. These young players are undoubtedly the gems of Team India and should be cherished. Sanju's 89-run innings, laced with eight sixes, remains the highest and best individual score in World Cup cricket. He also surpassed the legendary Virat Kohli's World Cup final records of 77 and 76. The question here is about the fairness, honesty, and prejudiced mindset of the coaches, selectors, and managers. All this must change and end with this world-conquering achievement, because Team India is also our national identity. Today, we are the world's number one team in T20 cricket. This supremacy must remain intact. These world-champion players of Team India also reached this level by playing street cricket. Today, national expectations of cricket being "invincible" are similar to those of Brazil's expectation of its football team, which was that it shouldn't even be "number two" in the game. However, this is an exaggeration and hyperbole, because victory and defeat are inevitable in sports.

Disrespect for the President, Questions Raised on the West Bengal Government

No one knows what prompted Mamata Banerjee to send a minister to welcome the President in her place. Whatever happened, it was not good. Any presidential visit should be kept away from party politics, and she should be accorded the respect and honor she deserves. Ignoring or neglecting anyone is a disrespect. This is precisely what happened with President Draupadi Murmu, who visited West Bengal. Since she expressed her objection and anguish, it is easy to understand that the protocol set for her was indeed violated. This is further evidenced by the repeated changes to the venue of her program, ultimately leading to a difficult access point for people. Worse, people going to the changed venue were denied entry on the grounds that they lacked the required invitation cards, but these were never distributed. Clearly, someone in the Bengal government intended to sabotage the President's program. There is no greater irony than the fact that obstacles were created at a tribal event, which the President, who represents the tribal community, was to attend. The extent of their neglect is evident from the fact that even essential amenities, such as toilets, were not provided for them at the venue. The manner in which the President went to the pre-arranged venue exposed the Bengal administration, as she found that there was enough space for a much larger gathering. It would have been better if Chief Minister Mamata Banerjee and her administration had acknowledged the unfair treatment of the President, but instead, they resorted to slandering her, accusing her of playing politics at the behest of the BJP. How did the President's visit to a tribal conference, also representing the tribal community, become a matter of partisan politics? It is understandable that Chief Minister Mamata Banerjee, due to her protest against the Election Commission, was unable to receive the President. However, she could have appointed a minister on her behalf to do so. Protocol dictates this, and there are numerous examples of Chief Ministers who, when unable to attend the President, Vice President, or Prime Minister's visit, send one of their ministers to welcome them. No one knows what difficulty Mamata Banerjee had in sending a minister in her place to welcome the President. Whatever happened, it wasn't good. Any visit by the President should be kept away from party politics, and he should be accorded the respect and honor he deserves.

India should take advantage of the situation

US Commerce Secretary Howard Lutnick's visit to Delhi and the trade agreement were discussed. The US Supreme Court's decision and Trump's economic policies have increased pressure on the US. The US Supreme Court's decision curbed Trump's trade policies. The growing trade deficit and inflation are putting economic pressure on the US. India may receive better trade terms, including H1B visas. Recently, US Commerce Secretary Howard Lutnick made a surprise visit to Delhi. He spoke with Commerce Minister Piyush Goyal and described the meeting as fruitful. This is the same Lutnick who had said last month that all preparations for a trade agreement were in place and that if Modi had called President Trump, a deal would have been reached. India had to refute his claim. He had previously said that India would have to apologize and try to reach a compromise within a month or two. Did he imagine that one day he would have to rush to India to negotiate a deal? This turn of events was brought about by the landmark US Supreme Court decision that declared the use of the Emergency Economic Powers Act to impose tariffs unconstitutional. Ironically, the Emergency Economic Powers Act was passed in 1977 to curb the president's emergency powers. However, Trump has been using it as a major weapon in his foreign economic policy, manipulating the entire world. Frustrated by the US Supreme Court's restrictions, Trump invoked Section 122 of the Trade Act and announced a 10 percent surcharge on imports from all countries, effective February 24th, and the next day threatened to raise it to its maximum of 15 percent. Now, he is threatening to use Sections 232, 301, and 388 to teach a lesson to countries planning to renegotiate. Section 232 empowers him to impose tariffs and sanctions under the pretext of national security, while Section 301 empowers him to impose tariffs and sanctions against those engaging in unfair or discriminatory trade practices. Section 388 authorizes the imposition of tariffs of up to 50 percent on countries harming US trade. However, these sections cannot be implemented through midnight decrees on internet media without judicial scrutiny and can be challenged in the courts. Surcharges imposed under Section 122 also require congressional approval within 150 days, which seems unlikely with a Congress preoccupied with elections. Furthermore, Trump will no longer be able to pressure other countries by threatening to impose tariffs to prevent them from buying Russian oil or to coerce them into annexing Russia. Instead of succumbing to US pressure, India attempted to pressure the US by entering into agreements with others. India knew that a Supreme Court decision could declare Trump's arbitrary tariffs unconstitutional. Therefore, the framework it agreed to included a provision that if either country changed its terms, the other would also be free to change its terms. Based on this, the Indian trade delegation did not travel to the US to finalize the agreement. Trump is currently under pressure from all sides. Iran's response to Israeli and American attacks has further increased pressure on them. If this war drags on, the US economy will also face further challenges. Despite imposing $175 billion in tariffs on the world, the US trade deficit remained at a record $900 billion last month. Economic growth fell to 1.4 percent in the last quarter, and inflation is hovering around three percent. People are troubled by rising daily expenses, which Trump won on the promise of reducing. He gave his supporters the impression that exporters would pay his tariffs, but in reality, importing companies paid almost all of them, passing some of the burden on to their customers. Therefore, daily necessities have become more expensive in the US market in recent months. Unemployment is also rising, and parliamentary elections are imminent. Trump's popularity has remained stuck at 40 percent, making it highly likely that the opposition Democratic Party will win a majority in Congress. If this happens, all of Trump's economic policies will be curbed. On the other hand, all the countries with which trade agreements have been signed are demanding reconsideration. Countries like Japan, Europe, South Korea, and Taiwan, which had promised investment under the threat of tariffs, are withdrawing from investment proposals. Therefore, the pressure for a trade agreement is currently on the United States rather than India, and India should take advantage of this to negotiate smartly. For example, the H1B visa, which is related to the mobility of trained service workers and students, is not mentioned in the framework. India should try to include it in the proposed agreement with the United States, similar to the agreements with Europe and Russia, but a compromise must be reached. Despite trade agreements with the European Union and other countries, a trade agreement with the United States is of paramount importance to India, as the United States is India's largest and most prosperous market for its goods exports. 20 percent of India's exports go there. The US market accounts for approximately 60 percent of total foreign trade profits. This is also a key reason for the United States' eagerness to enter into an agreement with India. It wants to reduce its trade deficit and, in addition, it wants to build a reliable supply chain. No one but India can be the key link in the agreement it seeks to achieve. At the same time, the technology and capital India needs cannot be obtained from anywhere else except the United States. Therefore, instead of jumping up and down in protest against an agreement before it is even signed, India should understand its needs and realities and act with foresight.

एकीकृत कमांड सेंटर से निगरानी फिर भी मनमानी, बेतरतीब वाहन लगा रहे जाम

मुरादाबाद । महानगर में जहां तहां बेतरतीब वाहन खड़ा करने से आए दिन जाम लग रहा है। अतिक्रमण भी इसमें प्रमुख वजह बन रही है। अतिक्रमण अभियान रस्म अदायगी साबित हो रहे हैं। कुछ दिन बाद ही स्थिति जस की तस हो जाती है। महानगर में यातायात व्यवस्था और सुरक्षा की निगरानी के लिए स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से पीलीकोठी स्थित नगर आयुक्त के शिविर कार्यालय परिसर में 2.39 अरब रुपये की लागत से एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निर्माण किया गया है। 256 सेंसरयुक्त कैमरे से पूरे महानगर की यातायात व्यवस्था की निगरानी पुलिस करती है। लेकिन इसके बाद भी महानगर में यातायात व्यवस्था आए दिन लड़खड़ाती है। सड़क की पटरी और कई जगह डिवाइडरों के पास चार व दोपहिया वाहन खड़ा करने से जाम लगता है। वहीं फुटपाथ पर अतिक्रमण भी इसकी वजह बनती है। ऊपर से ई-रिक्शा चालकों की बढ़ती संख्या और उनकी मनमानी प्रमुख चौक चौराहे गुरहट्टी, कलेक्ट्रेट, बुध बाजार, डिप्टी गंज, रेलवे स्टेशन रोड, कांठ रोड पर हरथला और अन्य जगहों पर यातायात बाधित करती है। यातायात पुलिस कर्मी केवल बाहरी वाहनों की चेकिंग में लगे रहते हैं जबकि स्थानीय नंबर के वाहनों की वह अनदेखी करते हैं। इससे सड़क किनारे दोपहिया, चार पहिया वाहन खड़ा कर लोग खरीदारी और अन्य काम निपटाते हैं। महानगर के अधिकांश शापिंग कांप्लेक्स के बाहर पार्किंग एरिया न होने से भी वाहनों को सड़क पर खड़ा करने की मजबूरी होती है। जिला प्रशासन और नगर निगम प्रशासन ने मल्टी स्टोरी पार्किंग के लिए कई जगह चिह्नित किए लेकिन अभी केवल टाउनहाल पर ही मल्टी स्टोरी पार्किंग बनी है। लेकिन इसके बाद भी वाहन बाहर ही खड़े रहते हैं। जिससे टाउनहाल क्षेत्र में हर दिन जाम लगता है। रविवार को तो इस क्षेत्र में जाने से भी लोग कतराते हैं। महानगर की चरमराई यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने में एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी दिखावा साबित हो रहा है।

रसोई गैस व पेट्रोल डीजल की कालाबाजारी पर होगी सख्ती

मुरादाबाद। ईरान व अन्य खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के चलते रसोई गैस सिलेंडर व पेट्रोल डीजल की आपूर्ति को अफवाहों के बीच लोग सशंकित हैं। कई तो इसका स्टॉक करने में लगे हैं। हालांकि कालाबाजारी करने की शिकायतों पर प्रशासन ने सख्ती करने की तैयारी की है। अधिकारियों ने कहा कि जिले में रसोई गैस का कोई संकट नहीं है। यदि कोई जमाखोरी या कालाबाजारी करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। जिलापूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर आयल कंपनियों व एलपीजी सेल्स अधिकारी से बातचीत हुई। इसमें बताया गया कि जिले में रसोई गैस सिलेंडर की कोई किल्लत नहीं है। जिले में रसोई गैस 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के 7,78,111 और उज्जवला योजना के 2,79,308 उपभोक्ता हैं। जिले में कोई बैकलॉग नहीं है। गैस सिलेंडर की कॉलाबाजारी रोकने के लिए शत प्रतिशत ओटीपी के माध्यम से डिलीवरी की जा रही है। यदि कहीं से कालाबाजारी या जमाखोरी की कोई शिकायत मिलेगी तो तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि वह स्वयं टीमों के साथ निगरानी कर रहे हैं।

पेंशन के लिए चक्कर काट रहे 12 हजार बुजुग...ईंतजार है कि खत्म नहीं होता

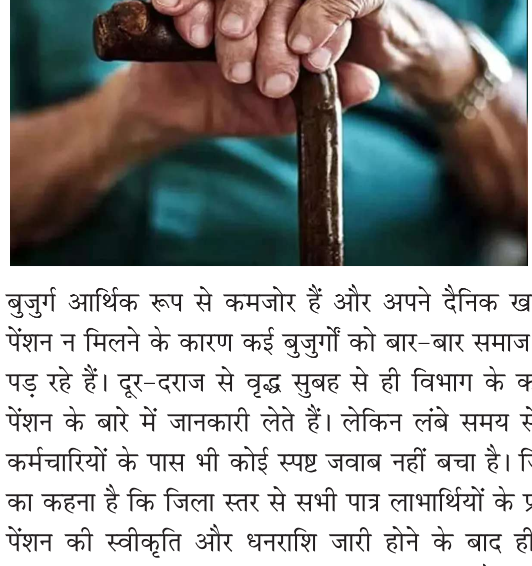

जिले में वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र 12 हजार बुजुर्ग पिछले एक वर्ष से समाज कल्याण विभाग के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनका इंतजार है कि खत्म ही नहीं होता। मंगलवार को समाज कल्याण विभाग में कई पेंशनर्स ने बताया वृद्धावस्था पेंशन के पिछले एक वर्ष से चक्कर काट रहे हैं। विभाग के वरिष्ठ सहायक रोहित ने बताया कि जिले में 69,882 वृद्ध पेंशन धारक है जिसमें से अब तक 57,757 लाभार्थियों को ही पेंशन मिल रही है जब कि 12,125 लाभार्थी ऐसे हैं, जो पिछले एक साल से वृद्धावस्था पेंशन के लिए आवेदन करने के बाद भी स्वीकृति और भुगतान का इंतजार कर रहे हैं। इनमें अधिकांश बुजुर्ग आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपने दैनिक खर्च के लिए इसी पेंशन पर निर्भर रहते हैं। पेंशन न मिलने के कारण कई बुजुर्गों को बार-बार समाज कल्याण विभाग के दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। दूर-दराज से वृद्ध सुबह से ही विभाग के कार्यालय पहुंच जाते हैं और कर्मचारियों से पेंशन के बारे में जानकारी लेते हैं। लेकिन लंबे समय से एक ही सवाल का जवाब देते-देते अब कर्मचारियों के पास भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं बचा है। जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन का कहना है कि जिला स्तर से सभी पात्र लाभार्थियों के प्रपत्र शासन को अग्रसारित कर दिए गए हैं। पेंशन की स्वीकृति और धनराशि जारी होने के बाद ही लाभार्थियों के खातों में शासन से सीधे भुगतान किया जाएगा। मामला शासन स्तर अटका है। निवासी हरथला वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मैं पिछले आठ महीने से आ रहा हूं, पेंशन के बारे में यही जवाब मिलता है कि जल्द मिलेगी, लेकिन एक वर्ष से पेंशन नहीं मिली है। निवासी मझोला सुरेश कुमार के मुताबिक मेरे बेटे भी मेरे पास नहीं रहते, पेंशन के लिए औपचारिकता पूरी करने में बड़ी दिक्कतें आई, लेकिन एक वर्ष से अब तक पेंशन नहीं मिली। कई बार कागज अधूरे बताए गए, अब सरकार की ओर से देरी की वजह बताई जा रही है।

मिट्टी की ढांग में दबकर मजदूर की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

बहजोई थाना क्षेत्र में अवैध खनन के दौरान अचानक मिट्टी की ऊंची ढांग भरभराकर गिर गई, जिससे दो मजदूरों समेत चार लोग दब गए। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला, लेकिन तब तक एक मजदूर की मौत हो चुकी थी जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बहजोई क्षेत्र में किसौली और रफीपुर गांव के बीच देवी मंदिर मढ़ी के आसपास पिछले कई महीनों से बड़े पैमाने पर मिट्टी का खनन किया जा रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक खनन करने वालों ने यहां का लगभग पूरा टीला खोद डाला है, जिसके कारण कई जगह ऊंची-ऊंची ढांगें बन गई हैं। इन्हीं ढांगों के नीचे ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी कर मजदूरों से मिट्टी खुदवाकर ट्राली में भरवाई जा रही थी। मंगलवार को करीब साढ़े 11 बजे मजदूर एक बड़े मिट्टी के टीले के नीचे ट्रैक्टर-ट्राली खड़ी कर मिट्टी की खुदाई कर रहे थे और ट्राली में मिट्टी भरने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी की भारी ढांग भरभराकर गिर पड़ी। वहां काम कर रहे बुद्धसैन निवासी किसौली, सुनील , प्रेमपाल और बच्चू मिट्टी के ढेर के नीचे दब गए। हादसा होते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने फावड़ों और हाथों से मिट्टी हटाकर दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। काफी देर तक चले राहत कार्य के बाद चारों मजदूरों को मिट्टी के ढेर से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बुद्धसैन की मौत हो चुकी थी। जबकि सुनील, प्रेमपाल और बच्चू गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल घायलों को निजी वाहनों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। चंदौसी तहसीलदार रवि सोनकर, क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार और थाना प्रभारी संत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। अधिकारियों ने ग्रामीणों से घटना के संबंध में पूछताछ भी की। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन का काम चल रहा है, जिसके कारण इस तरह के हादसे होने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का हंगामा,अवैध खनन को संरक्षण के आरोप- संभल, अमृत विचार : खनन के दौरान ढांग गिरने से युवक की मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन चल रहा है और यह सब पुलिस-प्रशासन के संरक्षण में हो रहा है। अवैध खनन की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी दर्ज कराई गई थी, इसके बावजूद खनन का कार्य लगातार जारी रहा।दो दिन पहले गांव में हल्का लेखपाल भी पहुंचे थे और मौके का निरीक्षण किया था, लेकिन उसके बाद भी खनन पर कोई रोक नहीं लगाई गई। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पूर्व प्रधान के बेटे सतपाल ने अपने खेत की मिट्टी बेची थी, जिसके बाद वहां लगातार ट्रैक्टर-ट्रालियों से मिट्टी की खुदाई कराई जा रही थी। इसी दौरान ऊंची ढांग बन गई थी। मृतक के चाचा रामवीर प्रजापति ने बताया कि मंदिर के बाबा ने भी इस अवैध खनन की शिकायत की थी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने अवैध खनन पर रोक लगाई होती तो यह हादसा टल सकता था।

सऊदी अरब में मिसाइल हमले के दौरान ठाकुरद्वारा का युवक घायल

मुरादाबाद।सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हुए मिसाइल हमले में ठाकुरद्वारा क्षेत्र का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक की हालत गंभीर होने की सूचना से परिजन और ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। घायल युवक पिछले चार दिनों से रियाद के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती बताया जा रहा है। वह रियाद की कंपनी में मैकेनिक के तौर पर कार्य कर रहा है। कोतवाली क्षेत्र के गांव जाफराबाद का रहने वाला मोहम्मद आजम लगभग साढ़े तीन वर्ष पहले रोजगार की तलाश में सऊदी अरब गया था। सऊदी की राजधानी रियाद में एक कंपनी में वह डीजल मैकेनिक के रूप में कार्य कर रहा था। पिछले दिनों रियाद शहर पर ईरान की ओर से हुए मिसाइल हमले की चपेट में वह भी आ गया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। आजम के साथ काम करने वाले युवक ने घटना की जानकारी उसके परिजन को मोबाइल के माध्यम से दी।सूचना मिलते ही परिवार के लोग चिंतित हो उठे और उसकी आजम के बारे में जानकारी जुटाने में लग गए। हालांकि, इस दौरान बेटे को होश नहीं होने के कारण उससे बात नहीं हो पाई। इतना पता चला कि उसकी हालत गंभीर है और वह आईसीयू में भर्ती है और जीवन रक्षण प्रणाली वेंटिलेटर पर रखा गया है। सभी लोग उसके स्वास्थ्य को लेकर बेहद चिंतित हैं और उसके जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। परिजन के अनुसार मोहम्मद आजम पिछले तीन दिनों से अस्पताल के आईसीयू में वेंटिलेटर पर है और अभी तक उसे होश नहीं आया है। डॉक्टरों ने उसकी स्थिति नाजुक बताई है। पिता ने बताया कि उन्हें बताया गया था कि वह जिस जगह वह रहता था, वहां मिसाइल से निकली चिंगारी गिरी थी, इसके बाद वहां धमाका हुआ। आजम उसके कई साथी भी घायल हुए थे।

परिवार का कहना है कि आजम घर का कमाने वाला प्रमुख सदस्य है। विदेश में रहकर परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। साढ़े तीन साल के बाद जनवरी में वह घर आया था। कुछ दिन रुककर वापस सऊदी चला गया। अब उसके घायल होने की सूचना मिली है। परिजन ने भारत सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि आजम के बेहतर इलाज की व्यवस्था कराई जाए और परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास से भी मदद की उम्मीद जताई है। ग्रामीण और रिश्तेदार लगातार परिवार के घर पहुंचकर उन्हें सांत्वना दे रहे हैं और युवक के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

तालाब में तब्दील हुआ पुल का वैकल्पिक मार्ग, लोगों को हो रही परेशानी

रामपुर। राम रहीम पुल पर मरम्मत के लिए यातायात बंद करने की भले ही तैयारी की जा रही हो, लेकिन वैकल्पिक मार्ग की हालत काफी खस्ता है। आगापुर का तालाब पूरी तरह उफान पर है, जिसकी वजह से आगापुर होते हुए ज्वाला नगर जाने वाले लोगों की मुश्किल बढ़ेगी।यहां पर सड़कें काफी खराब हालत में हैं। सीआरपीएफ कॉलोनी की भी हालत खराब है। लोगों का कहना है कि पहले वैकल्पिक मार्ग को सुधारा जाए। लोगों ने साफ कहा कि यहां पर जो सड़कें हैं पूरी तरह तालाब में तब्दील हो रही हैं। इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रशासन को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। राम रहीम पुल की मरम्मत का कार्य इन दिनों चल रहा है। लोक निर्माण विभाग जल्द ही पुल पर हल्के वाहनों के संचालन को बंद करने की तैयारी में है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि लोग कहां से गुजरेंगे। ज्वाला नगर को सिविल लाइंस तक आने व जाने के लिए पहला वैकल्पिक मार्ग आगापुर होते हुए सीआरपीएफ चुंगी को जोड़ता है। इस मार्ग पर नजर दौड़ाई जाए तो यहां पर मार्ग की हालत काफी खराब है। दरअसल आगापुर का तालाब पूरी तरह पानी से लबालब हो चुका है। ऐसे में पूरे गांव के साथ ही सीआरपीएफ कॉलोनी का भी पानी इसी तालाब में आ रहा है, जिसकी वजह से तालाब का पानी पूरे गांव के रास्तों पर फैल गया है। खासतौर से सीआरपीएफ कॉलोनी, आगापुर सड़क समेत अन्य इलाकों में। यहां से गुजरने वाले लोग परेशान हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि यहां से गुजरना किसी भी चुनौती से कम नहीं है। बोले लोग- यहां पर जल निकासी नहीं हो पा रही है। इसकी प्रमुख वजह आगापुर का तालाब ओवरफ्लो हो चुका है, जिसकी वजह से सड़कों पर जलभराव होता है। सड़कों की हालत खराब है। इसके साथ ही यहां पर पानी की टंकी की हालत भी खराब है। यहां पर ध्यान दिया जाना चाहिए। -एमएस रावत कॉलोनी में जल निकासी की समस्या है। आगापुर तालाब का पानी ओवरफ्लो हो चुका है। ऐसे में सड़कों पर जलभराव है। लोग परेशान हो रहे हैं। आगापुर जाने वाली सड़कें खराब हैं। पुल बंद होने के बाद तो और भी परेशानी होगी। -एमएस खान सीआरपीएफ कॉलोनी पूरी तरह टापू बनी हुई है। यहां पर कनेक्टिविटी नहीं है। आगापुर का तालाब ओवरफ्लो है। लोग परेशान हैं। यहां से निकलना दूभर हो गया है। सड़कें भी पूरी तरह खराब हैं। इस समस्या का हल होना जरूरी है। प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए। -कुलविंदर सिंह आगापुर के हालत खराब है। जलभराव की वजह से सड़कें खराब हो चुकी हैं। तालाब का पानी ओवरफ्लो है, जिसकी वजह से दिक्कत हो रही है। इसको दुरुस्त कराया जाना चाहिए। -राजेश्वर शर्मा

किला क्षेत्र में झुका खंभा, बड़ा हादसा बचा

रामपुर। किला बिजलीघर क्षेत्र के मोहल्ला चिरान में जर्जर बिजली का खंभा सड़क की ओर झुक गया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते बच गया। खंभा झुकने से अफरा-तफरी मच गई और करीब तीन घंटे तक बिजली गुल रही।स्थानीय निवासियों के अनुसार खंभा काफी समय से जर्जर हालत में था। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे वह अचानक सड़क की ओर झुक गया, जिससे राहगीरों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एहतियात के तौर पर बिजली आपूर्ति बंद कर दी।कर्मचारियों ने खंभे को सीधा कर सुरक्षित किया और लाइन की जांच के बाद बिजली बहाल की गई। सहायक अभियंता एमबी सिंह ने बताया कि झुके खंभे को ठीक कर दिया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

समीक्षा बैठक में डीएम बोले- गैस सिलिंडर की आपूर्ति और वितरण सामान्य. घर बैठे करें बुकिंग; एडवाइजरी जारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। एलपीजी संकट के बीच बरेली में जिलाधिकारी ने गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने, गैस एजेंसियों पर कड़ी निगरानी के लिए निर्देश दिए हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को जनपद की तीनों तेल और गैस कंपनियों व आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में एलपीजी एवं पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति के संबंध में समीक्षा की गई। तीनों कंपनियों के अधिकारियों ने जिलाधिकारी को बताया कि जिले में एलपीजी सिलिंडर, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पर्यात मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है। नए नियम के तहत गैस सिलिंडर की रिफिल की अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन की गई है। कालाबाजारी रोकने के लिए ओटीपी आधारित वितरण व्यवस्था लागू की गई है। गैस सिलिंडर की आपूर्ति एवं वितरण सामान्य- जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि जनपद में एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति एवं वितरण सामान्य है। पेट्रोल और डीजल की भी कमी नहीं है। सिलिंडरों की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए गैस एजेंसियों पर कड़ी निगरानी रखने, उनके दैनिक स्टॉक की मॉनीटरिंग करने तथा क्षेत्र में भ्रमण कर जांच करने के निर्देश अफसरों को दिए गए हैं। डीएम की अपील- अफवाहों पर ध्यान न दें जिलाधिकारी ने कहा कि लोग किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। जनहित में कंट्रोल रूम के नंबर जारी किए गए हैं। अगर किसी को कोई समस्या होती है तो कंट्रोल रूम पर सूचना दें। अगर कोई अफवाह फैलाता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एडीएम न्यायिक देश दीपक सिंह, उपजिलाधिकारी तृप्ती, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह आदि अफसर मौजूद रहे। ऑनलाइन माध्यम पेटीएम, अमेजॉन, गूगल पे और फोनपे तथा संबंधित कंपनियों की वेबसाइट के माध्यम से भी बुकिंग की जा सकती है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि अनावश्यक भीड़ से बचें और उपरोक्त माध्यमों से ही गैस सिलिंडर की बुकिंग करें।

25 दुकानों को निगम का नोटिस, व्यापारियों में नाराजगी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीएम ग्रिड के दौरान के धर्मकांटे चौराहे के आसपास रोड के चौड़ीकरण का व्यापारियों ने विरोध शुरू कर दिया है। 20 फरवरी को अधिशसी अभियंता राजीव कुमार राठी की ओर से करीब 25 दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए थे, जिसमे कहा गया है कि कोहाड़ापीर से लेकर कुदेशिया फाटक तक सड़क का चौड़ीकरण होना है और व्यापारियों की दुकान अतिक्रमण की जद में आ रही है। निगम का नोटिस पहुंचते ही व्यापारियों में हलचल मच गई है। मंगलवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र रस्तोगी व्यापारियों की परेशान जानने के लिए पहुंचे। कहा कि व्यापारी बीते 35 साल से अपनी दुकान चला रहे है लेकिन निगम से अभी अतिक्रमण की बात नहीं कही, लेकिन अब अचानक दर्जनों व्यापारियों को अवैध बताया जा रहा है।

एलपीजी संकट के बीच कालाबाजारी का खुलासा,दुकान पर बेचे जा रहे थे घरेलू सिलिंडर, 15 जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में एलपीजी सिलिंडरों की कमी के बीच कालाबाजारी का मामला सामने आया है। मीरगंज तहसील क्षेत्र में आपूर्ति विभाग की टीम ने पुलिस के साथ कार्रवाई करते हुए एक दुकान से 15 घरेलू गैस सिलिंडर बरामद किए हैं। आरोप है कि दुकानदार अवैध तरीके से सिलिंडरों की बिक्री कर रहा था। अधिकारियों ने सभी सिलिंडर जब्त कर एजेंसी के सुपुर्द कर दिए हैं और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मीरगंज क्षेत्र के गांव नौसना में घरेलू गैस सिलिंडरों की अवैध बिक्री की सूचना प्रशासन को मिली थी। इसके बाद उपजिलाधिकारी के निर्देश पर आपूर्ति विभाग की टीम और मीरगंज पुलिस ने विगत दिवस गांव में छापेमारी की। टीम ने गांव में स्थित नाजिर नामक व्यक्ति की दुकान पर जांच की, जहां से 15 गैस सिलिंडर बरामद हुए। छापेमारी के दौरान बरामद सिलिंडरों में 14 भरे हुए और एक खाली पाया गया। जांच के दौरान दुकानदार सिलिंडरों से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद अधिकारियों ने सभी सिलिंडर जब्त कर लिए और उन्हें मीरगंज स्थित जय माता दी गैस एजेंसी को सुपुर्द कर दिया। आपूर्ति निरीक्षक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। होटल और रेस्टोरेंट को व्यावसायिक सिलिंडर आपूर्ति पर रोक इधर, जिले में एलपीजी आपूर्ति को लेकर नए निर्देश भी जारी किए गए हैं। पेट्रोलियम कंपनियों ने सभी गैस एजेंसियों और जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया है कि फिलहाल होटल और रेस्टोरेंट को व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की नियमित आपूर्ति रोक दी जाए। हालांकि विशेष परिस्थितियों में एजेंसी द्वारा मांग भेजने पर ही उन्हें सिलिंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक पुलिस, सेना, अस्पताल और रेलवे जैसी आवश्यक सेवाओं को गैस की आपूर्ति पहले की तरह जारी रहेगी। हाल ही में बढ़ी एलपीजी सिलिंडर की कीमत- गौरतलब है कि पेट्रोलियम कंपनियों ने 7 मार्च को घरेलू एलपीजी सिलिंडर के दाम में 60 रुपये और व्यावसायिक सिलिंडर की कीमत में 115 रुपये की बढ़ोतरी की थी। इसके साथ ही गैस बुकिंग को लेकर 25 दिन का नियम भी लागू किया गया है। नए नियम के तहत अब एक घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग के बाद अगली रिफिल के लिए 25 दिन का इंतजार करना होगा। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि इन नए नियमों और कीमतों में बढ़ोतरी का असर आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी पड़ सकता है।

जाको राखे साईया, मार सके न कोय: डॉक्टर ने की मृत घोषित सड़क के गड्ढे ने लौटा दीं सांसें, मिली नई जिंदगी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के निजी अस्पताल से ब्रेन डेड घोषित पीलीभीत शहर निवासी महिला की सांसें सड़क के गड्ढे के कारण लगे झटके से लौट आईं। डॉक्टर द्वारा मृत घोषित करने के बाद परिजन उन्हें एंबुलेंस से घर वापस ले जा रहे थे। अचानक सड़क पर गड्ढे की वजह से गाड़ी में झटका लगा। इस दौरान महिला मरीज की सांसें लौट आईं। रोत-बिलखते परिजनों के चेहरों पर नई उम्मीद जागी। महिला को आननफानन शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां करीब आठ दिन उपचार के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हो गईं हैं। इसे कहते हैं जाको राखे सांइयाँ मार सके न कोए। एक झटके में लौट आईं सांसें - पीलीभीत-बरेली मार्ग पर हाफिजगंज के समीप एंबुलेंस का पहिया सड़क के गड्ढे में गिरा, जिसे झटका लगने से विनीता के शरीर में हलचल हुई और उनकी सांस लौट आईं। परिजन उन्हें लेकर शहर के निजी अस्पताल पहुंचे। जहां न्यूरो चिकित्सक ने उनका इलाज किया। करीब आठ दिन बाद विनीता ठीक होकर घर आ गई हैं। पति कुलदीप शुक्ला ने बताया कि सड़क के गड्ढे से लगे झटके से सांस लौटी हैं। यह भगवान का चमत्कार ही है। अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे परिजन अस्पताल में ब्रॉड डेड घोषित होने की जानकारी पर घर में अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे थे। कुलदीप शुक्ला ने बताया कि उनके पैतृक घर पुवायां और अन्य स्थानों से रिश्तेदार भी घर आ गए थे।

सिलिंडर की कमी के बाद अब खाने वाले तेल पर संकट, थोक बाजार में महंगा हुआ रिफांइड-सरसों का तेल

ईरान युद्ध का असर पेट्रोलियम पदार्थों के बाद खाने वाले तेल पर पड़ रहा है। आयात न हो पाने की वजह से कई तेलों की कीमतें बढ़ गईं। ईरान युद्ध की वजह से खाद्य तेलों का आयात न हो पाने की वजह से खाद्य तेल के दामों में महंगाई आ गई है। थोक बाजार में ही सरसों के तेल में 30 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। वहीं, रिफाइंड में 30 और पॉम ऑयल में 15 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। कारोबारी बताते हैं कि बाजार में माल ही नहीं है, जिसकी वजह से महंगाई बढ़ रही है। पांडेयगंज व यहियागंज के बड़े किराना व्यापारियों ने बताया कि थोक बाजार में 130 रुपये वाला सरसों तेल 30 रुपये बढ़कर 160 रुपये हो गया है। 140 वाला सोया रिफाइंड 170 रुपये में पहुंच गया है। वहीं, 140 वाला पॉम ऑयल 155 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येंद्र सिंह बताते हैं कि सरसों की नई फसल तैयार हो गई है। कुछ जगह कटाई भी हो गई है लेकिन इस तरह से महंगाई बढ़ना चिंता का विषय है। फुटकर कारोबारी संतोष गुप्ता बताते हैं कि होली तक जो दाम नहीं बढ़े थे वह भी अब बढ़ने लगे हैं। इससे बाजार में खाद्य तेलों की शॉर्टेज भी बढ़ गई है।एफसडीए की ओर से 23 फरवरी से 26 फरवरी तक प्रदेश भर में खाद्य तेलों की गुणवत्ता जांचने का अभियान चलाया था। इस दौरान अकेले लखनऊ में ही 2 करोड़ से ज्यादा का तेल सीज किए जाने की बात सामने आई है। नाम न छापने की शर्त पर कारोबारियों ने बताया कि एफएसडीए की टीम ने बड़े पैमाने पर तेल के नमूने लेकर सीज कर दिया है। इसकी वजह से हजारों टिन खाद्य तेल गोदामों में सील पड़ा है। न तो कोई जांच की गई है, न ही कोई रिपोर्ट आई है। अगर यह तेल मार्केट में होता तो खाद्य तेल की शॉर्टेज नहीं होती। 14 दिन बीते, नहीं आई रिपोर्ट- खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की ओर से 23 से 26 फरवरी तक अभियान चला। इस हिसाब से 14 दिन हो गए जबकि 14 दिन के अंदर संगृहित नमूनों की जांच हो जानी चाहिए। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम की धारा 142 के तहत नमूनों के विश्लेषण और रिपोर्ट जारी करने की अवधि 14 दिन तय है लेकिन अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। सूत्र बताते हैं कि अभी कोई जांच नहीं की गई है। नमूनों के संग्रह सरकारी लैब में हैं। अफसर कुछ बता नहीं पा रहे हैं कि वह इन नमूनों का क्या करेंगे। सूत्र बताते हैं कि निजी लैब से जांच कराने की तैयारी है जिसके बाद सौदेबाजी की आशंका है। हालांकि, इस संबंध में खाद्य विभाग के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बिना फिटनेस और बिना परमिट चल रहे वाहनों पर एआरटीओ की कार्रवाई, 6 वाहन सीज, 54 पर ओवरस्पीडिंग का चालान

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार /पीलीभीत - जनपद में सड़क सुरक्षा और परिवहन नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना फिटनेस, बिना परमिट और ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान पीलीभीत-पूरनपुर मार्ग और पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर बिना फिटनेस संचालित हो रहे 6 वाहनों को सीज (निरुद्ध) किया गया। वहीं उत्तराखंड नंबर की 2 यात्री वाहनें बरखेड़ा क्षेत्र से बिना परमिट सवारियां ले जाती हुई पाई गईं, जिनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। इसके अलावा जांच के दौरान 2 स्कूली वाहनों के अभिलेख अपूर्ण पाए जाने पर उनके विरुद्ध भी चालान किया गया। इस प्रकार फिटनेस, परमिट फेल तथा अन्य अभिलेख अपूर्ण होने पर कुल 8 वाहनों का चालान किया गया। इसी क्रम में पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर ओवरस्पीडिंग कर रहे 54 वाहनों को चिन्हित करते हुए उनके खिलाफ भी चालान की कार्रवाई अमल में लाई गई। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद में बिना फिटनेस, बिना परमिट तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहन के सभी अभिलेख पूर्ण रखें और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

गांव गोरा: गंदगी से जूझते लोग, प्रशासन से राहत की आस

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार /पीलीभीत - पीलीभीत जनपद के विकासखंड पूरनपुर क्षेत्र के गांव गोरा में साफ-सफाई की बदहाल व्यवस्था के चलते गांव में गंदगी का अंबार लग गया है। जगह-जगह कूड़े के ढेर और नालियों में जमा गंदा पानी ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। इससे गांव में संक्रामक रोग फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से गांव में नियमित सफाई नहीं हो रही है, जिसके कारण गलियों और सड़कों पर गंदगी फैली हुई है। कई स्थानों पर नालियां जाम पड़ी हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इसके चलते मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है और लोगों को डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का डर सता रहा है। गांव के समाजसेवी फैजान खान ने इस गंभीर समस्या को लेकर उपजिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र सौंपते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में बताया कि गांव के कई मोहल्लों में लंबे समय से कूड़ा नहीं उठाया गया है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गंदगी का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। यदि जल्द ही सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो गांव में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैजान खान ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित विभाग को निर्देश देकर गांव में तत्काल सफाई अभियान चलवाया जाए, नालियों की सफाई कराई जाए और नियमित रूप से कूड़ा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए फॉगिंग और दवा का छिड़काव कराने की भी मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन जल्द इस समस्या पर ध्यान नहीं देता है तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर क्या कदम उठाता है और गांववासियों को गंदगी से कब राहत मिलती है।

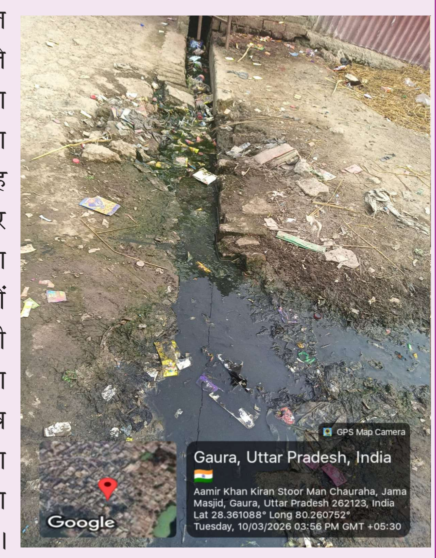

अप्रैल में पूरा हो जाएगा हार्टमैन क्रॉसिंग अंडरपास

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर रेल मंडल का हार्टमैन क्रॉसिंग अंडरपास कार्य बहुत ही तेज गति से कराया जा रहा है। निर्माण एजेंसी विनायक द्वारा अप्रैल में रेलवे के हैंडओवर अंडरपास करने की तैयारी है, इसलिए तेज गति से कार्य चल रहा है। एक साइड की सड़क बनाने जा रही है। वहीं अंडरपास निर्माण को लेकर 20 तारीख के बाद ब्लॉक भी लेने की तैयारी है। जिससे रेल लाइन के नीचे सीमेंटेड कालम लगाये जा सकें। करीब दो करोड़ की लागत से अंडरपास का काम पूरा होगा। सीनियर डीसीएम संजीव कुमार शर्मा ने बताया, निर्माण एजेंसी को तीन महीने में काम पूरा करना है।

इच्छामृत्यु की इजाजत: पीजी की चौथी मंजिल से गिरे थे हरीश, फिर कभी न उठे, परिवार के 13 साल के संघर्ष की कहानी

सुप्रीम कोर्ट ने एक असाधारण फैसला सुनाते हुए 13 साल से कोमा में रह रहे हरीश राणा को पैसिव इच्छामृत्यु (Passive Euthanasia) की अनुमति दे दी है। यह निर्णय भारत में %मानव गरिमा के साथ मरने के अधिकार% की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कोर्ट ने यह फैसला 2018 के कॉमन कॉज मामले में दिए गए अपने ऐतिहासिक निर्णय और 2023 में जारी किए गए संशोधित दिशानिर्देशों के आधार पर सुनाया है।उम्र ढल रही है और माता-पिता को यह डर सता रहा है कि वे हमेशा अपने बेटे के साथ नहीं रह पाएंगे। ऐसे में बेटे के लिए इच्छा मृत्यु की मांग करना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन हर दिन उसे इस हालत में देखना भी उनके लिए बेहद पीड़ादायक है। माता-पिता चाहते हैं कि इच्छा मृत्यु की अनुमति मिलने के बाद हरीश के शरीर के जो अंग काम कर रहे हैं, उन्हें दान कर दिया जाए ताकि दूसरों को नया जीवन मिल सके। यह मार्मिक बातें हरीश के पिता अशोक राणा ने सुप्रीम कोर्ट से बेटे की इच्छा मृत्यु की अनुमति मिलने के बाद कहीं। राजनगर एक्सटेंशन स्थित राज अंपायर में रहने वाले 31 वर्षीय हरीश राणा पिछले करीब 13 साल से बिस्तर पर हैं। उनकी सांसें तो चल रही हैं, लेकिन शरीर पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है। वह क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित हैं और 100 प्रतिशत दिव्यांग हो चुके हैं। हरीश की मां निर्मला देवी ने बेटे की इच्छा मृत्यु की अनुमति के लिए पहले हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन 8 जुलाई को अदालत ने उनकी अपील खारिज कर दी। इसके बाद परिजनों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।पीजी की चौथी मंजिल से गिरे थे हरीश- पिता अशोक राणा ने बताया कि वर्ष 2013 में रक्षाबंधन के दिन हरीश पीजी की चौथी मंजिल से गिर गए थे। इस हादसे में उनके सिर और कमर में गंभीर चोट आई थी। उस समय परिवार को उम्मीद थी कि इलाज के बाद वह ठीक हो जाएंगे, लेकिन हादसे के बाद से वह बिस्तर से उठ नहीं पाए।परिजन पिछले 13 वर्षों से हरीश के इलाज और देखभाल में लगे हुए हैं। उनका इलाज पीजीआई चंडीगढ़, एम्स, आरएमएल, एलएनजेपी और अपोलो सहित कई बड़े अस्पतालों में कराया गया, लेकिन कोई खास सुधार नहीं हो सका।इलाज कराने में बेच दिया मकान- अशोक राणा ने बताया कि इलाज के लिए उन्होंने सितंबर 2021 में दिल्ली के महावीर एंक्लेव स्थित अपना तीन मंजिला मकान भी बेच दिया। अब परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो चुकी है और आगे इलाज कराना उनके लिए संभव नहीं रह गया है। ऐसे में वे बेटे को इस पीड़ा से मुक्ति दिलाने और उसके अंगों के माध्यम से दूसरों को जीवन देने की इच्छा रखते हैं।क्वाड्रिप्लेजिया- एक गंभीर तंत्रिका संबंधी विकार- क्वाड्रिप्लेजिया, जिसे टेट्राप्लेजिया के नाम से भी जाना जाता है, एक अत्यंत गंभीर तंत्रिका संबंधी स्थिति है। इसमें व्यक्ति के शरीर के चार प्रमुख अंग - दोनों हाथ और दोनों पैर - लकवाग्रस्त हो जाते हैं, जिससे उनकी गतिशीलता और कार्यक्षमता पर गहरा असर पड़ता है। यह स्थिति मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी में, विशेषकर गर्दन के क्षेत्र में, गंभीर चोट लगने या किसी बीमारी के कारण उत्पन्न होती है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला- हरीश को इच्छामृत्यु की इजाजत-हरीश के स्वास्थ्य में सुधार न देखते हुए आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति दी। इस निर्णय को कोर्ट ने अपने 2018 के कॉमन कॉज फैसले और फिर 2023 में संशोधित दिशानिर्देशों के आधार पर लागू किया, जिसमें 'मानव गरिमा के साथ मरने का अधिकार संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त है। यह फैसला जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने दिया।अपने फैसले में पीठ ने साफ किया कि चाहे किसी भी व्यक्ति से कितना भी प्यार किया जाए, अगर उसके ठीक होने की सम्भावना नगण्य है, तो जीवन-सहन चिकित्सा केवल उसके शरीर को जिंदा रखेगी, न कि उसकी जीवन गुणवत्ता को। इस दौरान अदालत ने हरिश राणा के माता-पिता की भी सराहना की। कोर्ट ने कहा कि उनके माता-पिता ने 13 साल तक अपने बेटे का साथ नहीं छोड़ा और लगातार उसकी देखभाल की। यह उनके प्रेम और समर्पण को दिखाता है।

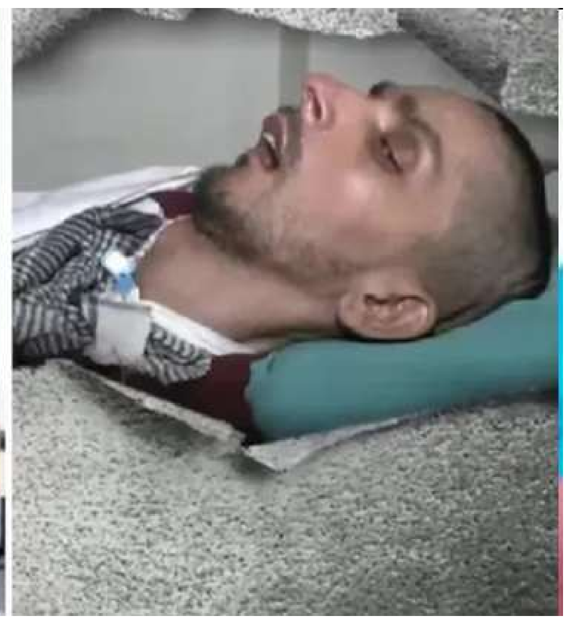

रायबरेली व अमेठी के दो दिवसीय दौरे पर कल आएंगे राहुल गांधी, दिशा की बैठक में लेंगे हिस्सा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर 12 व 13 मार्च को अमेठी और रायबरेली में होंगे। इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे।नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी का अमेठी-रायबरेली संसदीय क्षेत्र का दो दिवसीय दौरा 12 और 13 मार्च को प्रस्तावित है। 13 मार्च को अमेठी में कार्यकर्ताओं की बैठक में वह शामिल होंगे, उसके बाद दिवंगत पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. योगेंद्र मिश्र के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। स्थानीय कांग्रेसी उनके आगमन की तैयारियों में जुट गए हैं।कांग्रेस प्रवक्ता अनिल सिंह ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष 12 मार्च को फुरसतगंज एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से वह सीधे रायबरेली जाकर जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होंगे। बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बैठक के उपरांत वह रात में भुएमऊ गेस्ट हाउस में रुकेंगे। इस दौरान राहुल गांधी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती, आगामी रणनीति तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विस्तार से बातचीत करेंगे।13 मार्च की सुबह गेस्ट हाउस में राहुल गांधी जनता दर्शन कार्यक्रम में शामिल होकर क्षेत्र के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे। इसके बाद वे अमेठी के तिलोई विधानसभा के बहादुरपुर में नैना रिजॉर्ट पहुंचकर अमेठी संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद वह अमेठी के गौरीगंज क्षेत्र में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. योगेंद्र मिश्रा के निवास पर उनकी तेरहवीं संस्कार में शामिल होकर शोक संतृप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करेंगे। इस दौरान अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा, जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल सहित अमेठी व रायबरेली के कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

यूपी एसआई परीक्षा: अभ्यर्थियों को केंद्र तक पहुंचने के लिए फ्री में बस मिलेगी या नहीं? शासन ने किया साफ

यूपी पुलिस में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती 14 और 15 मार्च को होगी। इस बीच अभ्यर्थियों को केंद्र तक पहुंचने के लिए बस मिलेगी या नहीं इसे सरकार ने स्पष्ट किया है।उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों मुफ्त में सफर की सुविधा नहीं मिलेगी। उनको टिकट लेना अनिवार्य होगा। इस संबंध में परिवहन विभाग ने बुधवार को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।दरअसल 14 और 15 मार्च को भर्ती परीक्षा है। इसको लेकर लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित खबर प्रसारित हो रही है कि अभ्यर्थी एडमिट कार्ड दिखाकर निगम की बसों में मुफ्त में यात्रा कर सकेंगे। परिवहन निगम के प्रधान प्रबंधक (संचालन) अनिल कुमार ने स्पष्ट किया कि निगम मुख्यालय की ओर से ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है और न ही इस संबंध में कोई कार्यालय आदेश जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित यह सूचना पूरी तरह असत्य और भ्रामक है। उन्होंने सभी क्षेत्रीय और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि बस अड्डों पर हेल्प डेस्क के माध्यम से इस भ्रामक सूचना का खंडन किया जाए, ताकि अभ्यर्थियों के बीच नि:शुल्क यात्रा को लेकर किसी प्रकार का भ्रम न रहे। इसके साथ ही चालकों और परिचालकों को भी इस बारे में जानकारी देने के निर्देश दिए। जिससे किसी तरह की संशय की स्थिति न रहे।

शादी पर सिलिंडर का संकट, परिवार की इज्जत दांव पर, कमर्शियल की आपूर्ति ठप, बाजार में इंडक्शन की शॉर्टेज

लखनऊ में गैस सिलिंडर की कमी से गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई ठप होने से शादी वाले घरों, होटल-रेस्टोरेंट और खानपान कारोबारियों को भारी परेशानी हो रही है। कई दुकानों का कारोबार बंद है, जबकि लोग मजबूरी में इंडक्शन खरीद रहे हैं, जिससे बाजार में उसकी भी कमी होने लगी है।लखनऊ में सिलिंडर की आपूर्ति कम होने से संकट खड़ा हो गया है। गैस सिलिंडर की किल्लत से उन परिवारों की इज्जत दांव पर लगी है, जिनके घर या तो शादी हो रही है या चंद दिन बाद होने वाली है। कामर्शियल सिलिंडर की आपूर्ति फिलहाल ठप है।घरेलू गैस की भी किल्लत बढ़ गई है। ऐसे में शादी के घर वालों व रिश्तेदारों की चिंताएं और अधिक बढ़ गई हैं। इसका असर अब शादी वाले घरों पर साफ दिखाई देने लगा है। वहीं, बाजारों में इंडक्शन की शॉर्टेज होने लगी है। दुकानदारों का कहना है कि इतनी डिमांड हो गई कि ऑर्डर देना मुश्किल हो रहा है। कैटरर्स ने भोजन व्यवस्था के लिए 10 सिलेंडरों की मांग की थी

महानगर स्थित एक बारात घर में शादी की तैयारी में जुटे अलीगंज निवासी अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि उनकी बहन की शादी है। रात भोपाल से बारात आएगी। कैटरर्स ने भोजन व्यवस्था के लिए 10 सिलेंडरों की मांग की थी, लेकिन बाजार में कमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में उन्होंने पड़ोसियों और इष्ट-मित्रों से मांगकर किसी तरह छह सिलेंडरों का इंतजाम किया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि एहतियात के तौर पर एक क्विंटल लकड़ी और कोयले की भी व्यवस्था करनी पड़ी है, ताकि जरूरत पड़ने पर खाना बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि शादी का घर होने के कारण रिश्तेदार कई दिनों तक घर में रहेंगे, ऐसे में उधार लिए सिलेंडर लौटाने की चिंता भी बनी हुई है। यह स्थिति सिर्फ एक परिवार की नहीं बल्की शहर में जितनी भी शादियां हो रही हैं उन सभी परिवारों के सामने है। रेहड़ी पटरी वालों को घरेलू सिलिंडर से सहारा- कॉमर्शियल सिलिंडर की किल्लत की वजह से शहर के खानपान बाजार को घरेलू गैस सिलिंडर ने ऑक्सीजन तो दी मगर उसे पहले की तरह जीवित नहीं कर का। लिहाजा बुधवार को भी 60 फीसदी से ज्यादा कारोबार बंद ही रहा। चौक से लेकर हजरतगंज और हजरतगंज से लेकर गोमतीनगर तक सड़क किनारे की खानपान की दुकानों की जगह सन्नाटा रहा। उधर, चौक में मंगलवार को बंद हुई दुकानें बुधवार को भी नहीं खुल सकीं। सिलिंडर न मिल पाने की वजह से मिठाई दुकानें तो खुलीं लेकिन उनका मिठाईयां नहीं बन सकीं। कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की अचानक रुकी सप्लाई की वजह से खान-पान की दुकानों से व्यापारी बुधवार को घरेलू गैस का इस्तेमाल करते दिखे। चौक से लेकर हजरतगंज और हजरतगंज से लेकर गोमतीनगर तक सड़क किनारे की खानपान की दुकानों में एलपीजी सिलिंडर ही लगे मिले। व्यापारियों ने बताया कि अगर यह न करें तो परिवार कैसे पालें? हालांकि, घरेलू गैस का जुगाड़ भी कारोबार को नहीं उबार सका। चौक के चरक चौराहे पर एक लाइन से सड़क किनारे की 10 से ज्यादा खानपान की दुकानें बंद रहीं। सोया चाप, कबाब रोल की दुकान पर काम करने वाले लवकुश ने बताया कि दो दिन से दुकान बंद है। जब सिलिंडर मिलेगा तभी खुल सकेगी। इसके पास की ही चाट हाउस व अन्य स्नैक्स की दुकानें बंद नजर आईं। वहीं, पक्की दुकानों में बने रेस्टोरेंट भी बंद रहे। एक रेस्टोरेंट संचालक अनूप पांडेय ने बताया कि जब सिलिंडर ही नहीं मिल पा रहे हैं, तो आखिर दुकान कैसे खोलें? सबसे ज्यादा परेशानी श्रमिकों की है। क्योंकि, वह खाली बैठे हैं और उनको कब तक खाली रखेंगे। एक एक दुकान पर हर दिन 15-20 हजार का नुकसान हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

फंदे से लटका मिला युवक का शव

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। इकौना के नवीन मार्डर्न थाना श्रावस्ती के समीप स्वेताम्बर जैन मंदिर में काम करने वाला युवक जो पुराने थाने के भवन में रहता था जिसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया। पुलिस ने पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। उड़ीसा प्रदेश के जनपद बालेश्वर थाना मीलगिरि स्थित ईश्वरपुर गांव निवासी प्रेम शंकर मधवाल (36) पुत्र गुलक मधवाल श्रावस्ती के नवीन मार्डर्न थाना क्षेत्र स्थित स्वेताम्बर जैन मंदिर में काम करता था वह पुराने थाने के भवन में रहता था। उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में छत के कुंडे से रस्सी के फंदे में लटका पाया गया लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया।

ई-रिक्शा पलटने से 8 लोग घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। इकौना - नवीन मार्डर्न थाना श्रावस्ती के खरगौरा बस्ती मे यात्रियों को लेकर जा रहा ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर खम्भे से टकरा कर पलट गया इस हादसे में ई-रिक्शा में सवार आठ लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगो ने सभी घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी इकौना में भर्ती कराया है सभी का इलाज चल रहा है वही एक महिला को चिकित्सको ने संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा को रेफर किया गया है। नवीन मार्डर्न थाना श्रावस्ती के खरगौरा बस्ती स्थित पेट्रोलपम्प के निकट नेशनल हाइवे पर जा रहा एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बिजली के खम्भे से टकराकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार बलरामपुर जिले के थाना ललिया क्षेत्र स्थित बालापुर शिवपुरा-बाजार निवासी जालिमुनिशा (40) पत्नी गफ्फार अली, गुलफाम (12) पुत्र अकबर अली, बलरामपुर कोतवाली देहात के ग्राम रछौड़ा निवासी साकिया (22) पत्नी मकसूद अली, नूरजहां (45) पत्नी डाक्टर अली, अमीरूल निशा (40) पत्नी नान बाबू, रबीना (20) पत्नी हजरत अली व इनायत (3) पुत्री हजरत अली समेत कुल आठ लोग घायल हो गए। यह सभी ई-रिक्शा से इकौना आ रहे थे। आस पास के लोगों ने एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया जहां मौजूद चिकित्सको ने जालिमुनिशा की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा को रेफर कर दिया है।

पीलीभीत में कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर अस्थायी रोक, घरेलू सिलेंडर से कारोबार करने पर होगी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार /पीलीभीत - जनपद में वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को दिए जाने वाले कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर फिलहाल अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार ने होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, ठेला-खोमचा, बारातघर, कैटरिंग सहित सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि किसी भी स्थिति में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग व्यवसायिक कार्यों में न किया जाए। उन्होंने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर केवल घरेलू उपयोग के लिए ही अनुमन्य हैं। यदि किसी प्रतिष्ठान पर घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग व्यावसायिक कार्यों में करते हुए पाया गया तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम (संशोधित) की धारा 3/7 के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जनपद में विभागीय अधिकारियों द्वारा सघन निरीक्षण एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही जिले के सभी गैस वितरकों को भी निर्देश दिए गए हैं कि घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग में किसी भी प्रकार की संलिप्तता न रखें और उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह नियमों के अनुसार करें। किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित गैस एजेंसी के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पीलीभीत में सुरक्षा जवान और सुपरवाइजर भर्ती शिविर 14 से 30 मार्च तक

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार /पीलीभीत । जनपद में बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 14 मार्च से 30 मार्च 2026 तक सुरक्षा जवान और सुरक्षा सुपरवाइजर पदों के लिए भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद के सहयोग से एसआईएस इंडिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में सभी विकास खंड कार्यालयों पर लगाए जाएंगे।

जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि भर्ती शिविर की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को इसका लाभ मिल सके। भर्ती अधिकारी प्रेम प्रकाश ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा जवान पद के लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं पास या असफल, आयु 19 से 40 वर्ष तथा लंबाई 167.5 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है। वहीं सुरक्षा सुपरवाइजर पद के लिए 12वीं पास, आयु 21 से 40 वर्ष तथा लंबाई 170 सेंटीमीटर होना अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थियों को दो पासपोर्ट साइज फोटो, 10वीं की मार्कशीट की फोटोकॉपी तथा आधार कार्ड की फोटोकॉपी साथ लानी होगी। भर्ती अधिकारी के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के बाद सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों में नियुक्ति दी जाएगी।

प्रारंभिक वेतनमान सुरक्षा जवान के लि ए 16,000 से 22,000 रुपये तथा सुपरवाइजर और फायरमैन के लिए 18,000 से 30,000 रुपये तक रहेगा। इसके साथ पीएफ, ईएसआई, बीमा और अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। भर्ती शिविर की तिथियां इस प्रकार हैं- 14 व 16 मार्च को अमरिया, 17 व 18 मार्च को बरखेड़ा, 19 व 20 मार्च को बिलसंडा, 21 मार्च को ललौरीखेड़ा, 23 व 24 मार्च को बीसलपुर, 25 मार्च को ललौरीखेड़ा, 26 व 27 मार्च को मरौरी तथा 28 व 30 मार्च को पूरनपुर ब्लॉक परिसर में शिविर आयोजित होंगे।

दो परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी। समझौता कराने वाली टीम- 1. उ0नि0 श्री रमाशंकर मिश्र 2. म0हे0का0 संगीता यादव 3. म0का0 निशी त्रिवेदी 4. म0आ0 गिरजावती यादव 5. म0आ0 छाया द्विवेदी 6. म0आ0 सविता मिश्रा

मिशन शक्ति 5.0卐 अभियान के तहत मिशन शक्ति टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी / मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों,

धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी दी गई मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

आरटीओ के कथित फर्जी मुकदमे के बाद कमांडो अरुण गौतम सक्रिय

टीएसआई रवि मिश्रा की संपत्ति, हाजिरी और अवैध वसूली गिरोह की जांच करवाने की मांग तेज

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रदीप कुमार तिवारी कार्यकारी संपादक/ त्यौंथर/रीवा 7 आरटीओ विभाग द्वारा कमांडो सेना महासंगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडो अरुण गौतम के खिलाफ दर्ज किए गए कथित फर्जी मुकदमे के बाद मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना के बाद से कमांडो अरुण गौतम ट्रक एसोसिएशन, ड्राइवर भाइयों तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं।

बैठकों में आरटीओ चेकपॉइंट्स पर कथित अवैध वसूली और भ्रष्टाचार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जा रहा है। आरोप है कि टीएसआई रवि मिश्रा के ऊपर लंबे समय से अवैध वसूली कराने और इसके लिए एक संगठित गिरोह चलाने के आरोप लगते रहे हैं।

बताया जा रहा है कि टीएसआई रवि मिश्रा लंबे समय से निलंबित (सस्पेंड) चल रहे हैं और निलंबन अवधि के दौरान उन्हें ग्वालियर मुख्यालय में अटैच किया गया है। आरोप यह भी लगाया जा रहा है कि इसके बावजूद वे नियमित रूप से मुख्यालय में उपस्थित नहीं होते और केवल महीने में एक बार जाकर हाजिरी लगाते हैं। इसी कारण मुख्यालय के मुख्य द्वार के सीसीटीवी फुटेज की जांच करवाने की मांग भी उठाई जा रही है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

इसी क्रम में कमांडो अरुण गौतम ने टीएसआई रवि मिश्रा तथा उनके ससुराल पक्ष से जुड़े लोगों, जिनमें पुष्पेंद्र द्विवेदी का नाम भी सामने आ रहा है, की आय से अधिक संपत्ति की जांच करवाने की मांग उठाई है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में दस्तावेज और जानकारियां एकत्र कर संबंधित विभागों तक भेजने की तैयारी की जा रही है।

आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि निलंबन अवधि के दौरान ही एक अवैध वसूली गिरोह सक्रिय है, जो रीवा जिले के त्यौंथर क्षेत्र में स्थित सोहागी चेकपॉइंट क्रमांक-2 और हनुमाना चेकपॉइंट पर कथित रूप से ड्राइवरों से वसूली कर रहा है। ट्रक ड्राइवरों का कहना है कि आए दिन उनके साथ मारपीट, मोबाइल तोड़फोड़, गाड़ियों में तोड़फोड़ और गुंडागर्दी की घटनाएं सामने आ रही हैं।

गौरतलब है कि हनुमना के वर्तमान विधायक प्रदीप पटेल, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हैं, उन्होंने भी हनुमना चेकपॉइंट पर कथित अवैध वसूली का मुद्दा उठाया था, वहीं हाल ही में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और समाजसेवी कमांडो अरुण गौतम ने भी आरटीओ विभाग की कथित अवैध वसूली का विरोध किया, जिसके बाद उनके ऊपर भी विभाग द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों द्वारा आवाज उठाने पर उनके ऊपर ही मुकदमे दर्ज हो रहे हैं, तो एक साधारण ट्रक ड्राइवर या वाहन मालिक, जिसकी गाड़ियां सड़क पर चलती हैं, वह इनका विरोध कैसे करेगा और इनके खिलाफ आवाज कैसे उठा पाएगा। यह सवाल अब सरकार की नीतियों और व्यवस्था पर भी खड़ा हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार इस पूरे मामले को लेकर दस्तावेज एकत्र किए जा रहे हैं और इसे भोपाल के साथ-साथ दिल्ली हाई कमांड तक ले जाने की तैयारी भी की जा रही है। आने वाले समय में इस मामले में बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

पत्रकार पर हमले के विरोध में एसडीओपी कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

आनंदपुर पुलिस पर साधारण धाराओं में मामला दर्ज करने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ लटेरी। आनंदपुर में खबर कवरेज के दौरान पत्रकार मनीष शर्मा पर हुए कथित जानलेवा हमले के विरोध में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ लटेरी ने एसडीओपी कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक के नाम.................. ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि हाल ही में आनंदपुर में खबर कवरेज के दौरान पत्रकार मनीष शर्मा पर जानलेवा हमला किया गया था। इस घटना की खबर विभिन्न न्यूज चैनलों और समाचार पत्रों में भी प्रमुखता से प्रकाशित हुई। इसके बावजूद आनंदपुर पुलिस द्वारा मामले को

गंभीरता से नहीं लेते हुए साधारण धाराओं में ही प्रकरण दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान पत्रकार को जबरन रोकने, मोबाइल छीनने का प्रयास करने, गाली-गलौज करने और गेंती से हमला करने की कोशिश जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं।

इसके साक्ष्य भी मौजूद है इसके बावजूद पुलिस द्वारा कड़ी धाराओं में कार्रवाई नहीं की गई। श्रमजीवी पत्रकार संघ का यह भी आरोप है कि आनंदपुर पुलिस ने आरोपी राधा बल्लभ शर्मा को बचाने के उद्देश्य से पत्रकार के खिलाफ भी कुछ धाराओं में एफआईआर दर्ज कर दी है, जिससे पूरे मामले को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच कर आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन आंदोलन करने को मजबूर होगा। और जिले एवं प्रदेश के सभी ब्लॉक स्तर पर ज्ञापन के माध्यम से कार्रवाई की मांग की जाएगी ज्ञापन सौंपने के दौरान मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारी और क्षेत्र के कई पत्रकार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

साइबर क्राइम पुलिस थाना बहराइच द्वारा जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक जनपद बहराइच महोदय के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी के कुशल तथा श्री नारायण दत्त मिश्रा, क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के मार्गदर्शन

में साप्ताहिक बाजार सुखनदिया जनपद बहराइच में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 200-250 स्थानीय नागरिकों को मोबाइल फोन एवं सोशल मीडिया आईडी की सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित जनसमूह को निम्न बिंदुओं पर विशेष रूप से जागरूक किया गया- सोशल मीडिया खातों में टू-स्टेप वेरिफिकेशन (Two-Step Verification) अनिवार्य रूप से सक्रिय करना। मोबाइल फोन एवं महत्वपूर्ण एप्लीकेशनों में मजबूत एवं जटिल पासवर्ड का उपयोग करना। अज्ञात स्रोतों से प्राप्त लिंक एवं एपीके (APK) फाइल्स को डाउनलोड या ओपन न करना। साइबर ठगी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, केवाईसी अपडेट के नाम पर होने वाले धोखाधड़ी से सतर्क रहना। इसके अतिरिक्त सभी को अवगत कराया गया कि यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड की घटना घटित होती है तो तत्काल नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को साइबर सुरक्षा संबंधी उच्चाधिकारीगण द्वारा प्राप्त निर्देशों से भली-भांति अवगत कराते हुए डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम का विवरण- 1. प्रभारी निरीक्षक श्री रणजीत यादव, साइबर क्राइम पुलिस थाना, बहराइच। 2. उ0नि0 श्री राम सुभाष 3. उ0नि0 श्री रमेश यादव

डिजिटल पेमेंट अवेयरनेस शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। सिरसिया ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत घोघवा कला में डिजिटल पेमेंट अवेयरनेस के अवसर पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को

डिजिटल भुगतान के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित डिजिटल लेन-देन की जानकारी प्रदान करना था। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में क्रिसियल फाउंडेशन के कैपिसिटी बिल्डिंग ऑफिसर सुनील राजभर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, आधार आधारित भुगतान प्रणाली, क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान तथा डिजिटल लेन-देन की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। एफसी साधना वर्मा और आनंद कुमार तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि डिजिटल भुगतान के माध्यम से कैसे वे अपने दैनिक लेन-देन को सुरक्षित और आसान बना सकते हैं। ग्रामीणों ने डिजिटल भुगतान प्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने की रुचि दिखाई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

नटेरन तहसील में सिकमी व नवीन पंजीयन की मौके पर हुई जांच

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा/ रबी विपणन वर्ष में समर्थन मूल्य पर होने वाले उपार्जन को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशों के पालन में नटेरन तहसीलदार श्री आनंद जैन द्वारा ग्राम आमखेड़ा कालू एवं सेउ के कृषक श्री शिवराज सिंह मीणा, श्री बहादुर सिंह धाकड़ के सिकमी पंजीयन एवं नवीन किसान पंजीयन की जांच की गई। तहसीलदार श्री आनंद जैन ने बताया कि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता न हो, इसके लिए राजस्व अमले द्वारा संबंधित क्षेत्रों में मौके पर पहुंचकर जांच की गई। इस दौरान किसानों द्वारा कराए गए नए पंजीयन तथा सिकमी पंजीयन का सत्यापन किया गया और आवश्यक अभिलेखों की जांच भी की गई। तहसीलदार श्री जैन ने बताया कि जांच का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपार्जन में केवल पात्र किसानों का ही पंजीयन हो तथा शासन की योजना का लाभ सही हितग्राहियों तक पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पंजीयन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखें और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जिला प्रशासन द्वारा उपार्जन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए लगातार निगरानी और जांच की जा रही है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

मिशन शक्ति-5.0 अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत जनपद उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। महिला संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं संवेदनशील समाधान के उद्देश्य से चौपालों का आयोजन कर व्यापक जन-जागरूकता अभियान श्रावस्ती में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन तथा साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु निरंतर सघन एवं संवेदनशील कार्यवाही की जा रही है। इस अभियान का मुख्य

उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सुरक्षित, सकारात्मक एवं जागरूक वातावरण का निर्माण सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में शक्ति मोबाइल टीम द्वारा विद्यालयों, गांवों, कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं संचालित किया गया तथा महिलाओं एवं बालिकाओं से शक्ति दीदी के रूप में संवाद स्थापित कर उन्हें निडर होकर अपनी समस्याएं साझा करने एवं सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत आयोजित साइबर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्राओं को सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।

Not just dengue and malaria, these three viruses also cause encephalitis; ICMR research reveals

ICMR scientists have discovered three new causes of encephalitis: cytomegalovirus, herpes simplex virus, and rickettsia. Cytomegalovirus, herpes simplex virus, and rickettsia are among the new causes. RT-PCR has been found to be more accurate than ELISA in detecting encephalitis. Scientists at the Regional Medical Research Centre (RMRC), a branch of the Indian Council of Medical Research (ICMR), have identified three new causes of encephalitis. Until now, scrub typhus, dengue, chikungunya, malaria, leptospira, and Japanese encephalitis were considered the main causes of this disease, and patients were diagnosed based on these. Now, cytomegalovirus, herpes simplex virus, and rickettsia have also been identified as causes. This study was published in the London Journal of Infectious Diseases in February. The study solved the mystery of encephalitis. For the study, 557 samples were selected from patients in 2022 and 2023 who had symptoms of encephalitis, including high fever, but who had tested negative for ELISA. These samples were tested using RT-PCR (real-time polymerase chain reaction). Cytomegalovirus was detected in 34 samples, herpes simplex virus in five samples, and rickettsia infection in 12 samples. This confirmed that all three could be causes of encephalitis. It also revealed that RT-PCR is more accurate and sensitive than ELISA testing. Of the samples in which ELISA testing did not detect infection, RT-PCR testing confirmed scrub typhus in 41 samples. This test was conducted at the National Center for Vector Borne Disease Control's JE-AES Apex Lab, established in 2022. Experts' Opinion: Research and studies are ongoing to understand the causes of encephalitis. This study included samples that were found negative by conventional testing. Testing using the RT-PCR technique revealed three new causes.

This will significantly help in the correct diagnosis of the disease. - Dr. Harishankar Joshi, Director, RMRC. RT-PCR testing has proven to be more accurate and sensitive than ELISA testing for encephalitis. Testing also revealed infections such as cytomegalovirus and herpes simplex virus. Using the new technology can help in more precise treatment of patients. - Dr. Rajeev Singh, Virologist, RMRC

Cough not going away? First, identify its type, and you'll find the right treatment in no time.

The type of cough determines its treatment. Even during home treatment, it's important to know whether it's a wet or dry cough. Learn the types and causes of wet and dry coughs. Use effective home remedies for cough relief. It's important to understand when to see a doctor. As soon as we have a cough, we tend to take cough syrups or home remedies without knowing its type. In fact, not every cough is the same—it can be wet or dry. The type of cough helps determine its cause and treatment. In this article, we'll explore the differences, symptoms, and treatments between wet and dry coughs. What's the difference between the two? Wet cough: This cough produces mucus. Dry cough: This cough produces no mucus and causes frequent itching or discomfort in the throat. The causes of both are different. A dry cough can be caused by inflammation or an allergic reaction. Meanwhile, a wet cough indicates an infection in the body. This leads to excessive mucus production. These can trigger a dry cough: Acid reflux, Allergies, Asthma, Smoking, Dry air, Certain medications. These are some triggers for a wet cough: Bronchitis, Cold, Flu, Pneumonia. What to do when you have this cough: Whether it's a wet cough or a dry one, some home remedies can help provide significant relief. Some cough-relieving remedies include: Drinking warm beverages like tea or water, Natural honey, Steaming, Sufficient water, and Consult a doctor if you experience wheezing, Blood in the mucus when coughing, Difficulty breathing, Coughing lasts for more than three weeks, Fever, or chest pain. Prevention: Practice hand hygiene and wash hands with soap before eating. Avoid coughing with your hands; cover your mouth

with a tissue or elbow. To avoid coughing due to infection, avoid touching your eyes, nose or mouth repeatedly.

Your spirits won't waver even in difficult times; just incorporate this small change into your life.

Instead of chasing happiness, finding purpose in life brings true satisfaction. Stop chasing happiness, because it flies away like a butterfly. Find purpose, because the true joy of life lies in it. Find meaning in small things, like taking care of loved ones or helping someone. What do we all want in life? If anyone were asked this question, most people would answer the same thing: "Lots of happiness." From childhood to adulthood, our every pursuit is just to be happy. A good job, a new phone, a big house, or a wonderful vacation—we think these things will make us happy, but just think, does that happiness always stay with us? Why does happiness disappear even after having everything? The truth is that happiness is like a beautiful butterfly. The more you chase it to catch it, the further it will fly away from you. We often tell ourselves, "If I just get that one thing, my life is set and I'll be so happy." But once we get it, our happiness vanishes within a few days. Then we start chasing something new. It's a never-ending race that only tires us out. Where is the true peace of life? Many of the world's greatest thinkers and psychologists believe that life doesn't improve when we chase happiness. Instead, life becomes better and more peaceful when we seek purpose or meaning. Now you might be wondering what it means to have purpose in life? It's quite simple. It means doing something that deeply soothes your heart and that has meaning not only for you but also for those around you. This doesn't have to be a monumental task. This could be anything—lovingly caring for your children or parents, learning a new skill, doing your work with complete dedication, or helping someone who needs you. Find the true meaning of life—when you have a clear purpose in life, even difficult times can't easily break you. Happiness is like the seasons—sometimes sunny, sometimes shady... but your life's purpose is like the roots of a strong tree, keeping you firmly rooted to the ground even in storms. When you do something meaningful, you feel a strange satisfaction at night, far greater than buying any expensive item. So, starting today, stop chasing happiness recklessly. Focus your energy on how you can make today, your work, and your relationships meaningful. When you start doing this, you'll be amazed. You will find that the 'happiness' you were madly searching for has started walking with you on its own without being invited. Then we start chasing something new. It's a never-ending race that only tires us out. Where is the true peace of life? Many of the world's greatest thinkers and psychologists believe that life doesn't improve when we chase happiness. Instead, life becomes better and more peaceful when we seek purpose or meaning. Now you might be wondering what it means to have purpose in life? It's quite simple. It means doing something that deeply soothes your heart and that has meaning not only for you but also for those around you. This doesn't have to be a monumental task. This could be anything—lovingly caring for your children or parents, learning a new skill, doing your work with complete dedication, or helping someone who needs you. Find the true meaning of life—when you have a clear purpose in life, even difficult times can't easily break you.

Salim Khan will be discharged from the hospital soon, the latest update on Salman Khan's father's health has arrived.

Salman Khan's father, Salim Khan, has been hospitalized for nearly three weeks. Now, important news is emerging regarding his discharge. Salim Khan, who has been in the hospital for three weeks, will return home soon.
deteriorated. Film writer Salim admitted to Mumbai's Lilavati minor brain hemorrhage and discharged from the hospital soon. also emerged. Let's explore the be discharged soon - Salim Khan around 8:30 am due to a sudden rushed him to Mumbai's Lilavati the initial days, he was placed on a under the supervision of doctors at he remains hospitalized. According Lilavati Hospital in the coming days this matter cannot be officially treated under the supervision of Previously, numerous Hindi film health, including Shah Rukh Khan, Dutt. Aamir Khan, while providing he is now out of danger, but remains

90-year-old film writer Salim Khan's health suddenly Khan has been ill for the past three weeks and is Hospital. His health suddenly deteriorated due to a clotting. Now, news is coming that Salim Khan may be The latest update on the Sholay film writer's health has entire matter in detail in this article. Salim Khan will was admitted to the hospital on February 17th at deterioration in his health. Salman Khan's family doctor Hospital. While Salim Khan's condition was critical in ventilator. However, he later received excellent treatment Lilavati Hospital, and his health improved. However, to News18, Salim Khan may be discharged from and return to his home, Galaxy Apartments. However, confirmed at this time. Salim Khan is currently being Lilavati Hospital's senior doctor, Jalil Parkar. stars visited the hospital to inquire about Salim Khan's Aamir Khan, Shilpa Shetty, Javed Akhtar, and Sanjay an update on Salman Khan's father's health, stated that in the ICU. Salim Khan is famous for these movies: As a writer, Salim Khan, along with Javed Akhtar, has written the stories for approximately 24 blockbuster movies. These include such notable films as Sita Aur Geeta, Zanjeer, Sholay, Deewar, and Mr. India.

Did 'The Kerala Story 2' pass or fail the Monday test? Earned this many crores at the box office

'The Kerala Story 2' has completed 10 days at the box office. Let's find out the film's collection on Day 11. 'The Kerala Story 2' Box Office Collection Day 11 Did 'The Kerala Story 2' pass or fail the Monday test? 'The on February 27. Vipul Amrutlal in theaters on February 27, has performed better than expected. Day 11. 'The Kerala Story 2' 2' started off slow at the box office the second day. The film collected earned ?4.75 crore on the first Monday test? According to collection reached ?22.9 crore in its earned ?3.30 crore. Today, on significant drop. It earned only 2' 'The Kerala Story 2: Goes women from different parts of expectations for love. However, a situation of manipulation and their personal freedom. As the revealed, the women try to regain

Kerala Story 2' was released in theaters Shah's 'The Kerala Story 2', released completed 10 days in theaters and has Let's find out the film's collection on Collection Day 11 - 'The Kerala Story on the first day but picked up pace on ?4.65 crore on the second day and then Sunday. Did the film pass or fail the SACNILC data, the film's box office first week. On Sunday, the 10th day, it Monday, the 11th day, the film saw a ?1.20 crore. About 'The Kerala Story Beyond' is the story of three young India who defy conventional their act of rebellion soon escalates into emotional control, leading to the loss of reality of their circumstances is control of their lives and fight for survival. Directed by Kamakhya Narayan Singh, the film stars Ulka Gupta, Aditi Bhatia, Aishwarya Ojha, Sumit Gehlawat and Arjan Singh Aujla in lead roles.

"In the last two years with me..." Anurag Dobhal's accident leaves Mannara Chopra in tears

"Bigg Boss 17" fame Anurag Dobhal (UK07 Rider)'s accident and his deteriorating mental health have caused quite a stir online. Following the support of several celebrities, a video of his close friend Mannara Chopra has crying. Seeing Anurag Dobhal's heartbroken. A good friendship was - Mannara reminisced about the past "Bigg Boss" contestant UK Rider Anurag Dobhal, has been in the news with his wife and family. He was interacting live with his fans in a car Saturday night. Anurag was in Meerut. Many celebrities have was mocked on social media. Former close friend Mannara Chopra also inconsolable. Mannara Chopra is actress Mannara Chopra, who Bigg Boss season 17, is rapidly going Mannara is seen wearing a pink her tears, but they are not stopping. much time in the same house, a I didn't want to cry because I felt that what has happened to me in the last him now, all my emotions are mixed support him." "What will you do Mannara also recalled the days house and how he always missed his fought a lot in the Bigg Boss house

surfaced, showing her inconsolably condition, Mannara Chopra was formed during Bigg Boss Season 17 two years. YouTuber and former (UK07 Rider), also known as for some time due to his differences involved in an accident while on the Delhi-Meerut Expressway on immediately admitted to a hospital objected to the way his mental health Bigg Boss contestant and Anurag's posted a video in which she is inconsolable from crying. A video of appeared with Anurag Doval on viral on the internet. In the video, kurti. She is trying hard to hold back Mannara says, "When you spend so human bond develops between you. my crying wouldn't help him. Seeing two years and what is happening to up. I hope his parents will fully with so much money?" In the video, when Anurag was in the Bigg Boss parents. The actress said, "He to talk to his parents, sister, and his future wife (Ritika). What is money? If no one loves you, what will you do with all this money? I just want to tell his family, what will you do with all this money?" Talking about Anurag's injury, Mannara said, "He suffered a fracture after the accident. I don't know why this happened at such a young age; he's probably only 28 or 29. I feel very bad for him because I went through a similar phase for two years myself." For those unaware, Anurag posted a two-hour long video on his YouTube channel, in which he accused his parents of torturing him. He explained the reason to his wife, Ritika, who is from a different caste. In this video, Anurag even casually mentioned suicide.